समूह सत्र नं0– 2

कम उम्र में शादी

उद्देश्य : सत्र के अन्त तक समूह के सदस्य लड़कियों की जल्दी शादी के दुश्परिणामों तथा उठाये जाने वाले कदमों पर अपनी भूमिका को समझ पाएंगे।

पद्धति : समूह चर्चा

समय : 60 मिनट

सामग्री : हाल

गतितिधि चरण :–

1. सहजर्कता प्रतिभागियों से कहें कि अब आपको एक खेल कराया जायेगा इसके लिए दो वालेन्टियर को आने के लिए कहें।
2. दोनो वालेन्टियर में से एक को लड़का कमल व एक को लड़की कमला की पहचान दें। सहजर्कता बचे हुए प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित कर सकता है।
3. कमला और कमला को सहजर्कता के आदेश पर इस खेल में कुछ निर्देशों का पालन करना होगा। तत्पश्चात् कमल व कमला को खेल के नियम समझाएं जैसे–
   - कमला और कमल को एक सीधी लाईन में एक साथ खड़ा होने के लिए कहें।
   - फिर कुछ स्टेटमेंट पढ़े व कमल व कमला से कहें कि यदि उन्हें स्टेटमेंट अपने बारे में अच्छा लगता है तो एक कदम आगे आना है यदि खराब लगता है तो एक कदम पीछे जाना है।
   - यह भी समझा दें कि अब आपकी पहचान केवल कमल व कमला के रूप में हैं आपको समाज से कोई लेना देना नहीं है। सिर्फ आपको अपने बारे में सोचना है।
4. सहजर्कता फिर खेल के अनुसार स्टेटमेंट पढ़े और कमल व कमला का मूवमेंट देखे कि कौन आगे जा रहा है और कौन पीछे जा रहा हैं स्टेटमेंट पहले से तैयार हों जैसे–
   - कमल 20 साल का है और कालेज में पढ़ने के लिए तैयारी कर रहा है लेकिन उसकी शादी पास के ही गांव में कमला जो 17 साल की है और हाई स्कूल में पढ़ रही है के साथ तय कर दी जाती है।
   - कमल और कमला के घर वाले सोचते हैं कि आजकल का समय ठीक नही है कमला की शादी कर देगें जिससे वह अपने ससुराल चली जायेगी और कमल के घर वाले सोचते हैं कि बहु आकर घर संभालेगीं।
   - कमल अपनी शादी के लिए घरवालों को मना कर देता है और कहता है कि उसे अभी कालेज की पढ़ाई पूरी करना है लेकिन घर वाले कहते हैं कि हॉ ठीक है शादी कर ले तुम्हें पढ़ाई से किसने रोका है।
   - वहीं दूसरी ओर कमला की शादी उसकी बिना मर्जी के कर दी जाती है जहां वह किसी को नही जानती।
   - शादी के कुछ समय बाद जब भी वह छुट्टियों में घर आता तो कमल के दोस्त कमल को चिढ़ाते है कि अरे! अभी तक तू बाप नही बना है तथा ससुराल में कमला को किसी झाड़–फूंक वाले को दिखाने व इलाज कराने की सलाह दी जाती है।

- कुछ समय बाद पता चलता है कि कमला गर्भवती है और कमल के परिवार के लोग बहुत खुश हो जाते है। कमल अपनी पढ़ाई के लिए शहर चला जाता है लेकिन उसका मन पढ़ाई में नही लगता है सोचता रहता है कि पता नही कमला कैसे होगी।
- जल्दी ही कमला के एक सुन्दर बेटी हुई लेकिन परिवार के लोग बहुत खुश नही थे और उन्हें उम्मीद थी कि एक बेटा ही होगा।
- एक साल के अन्दर ही कमला दूसरी बार गर्भवती हो जाती है तथा परिवार में लोग खूब चर्चा करते हैं कि इस बार बेटा ही पैदा होगा तथा पूरे गांव को खाना खिलायेगें। लेकिन दूसरी बार भी उसे बेटी ही होती है। उधर कमल के दोस्त कमल को कहते हैं कि अरे! तू कैसा मर्द है एक लड़का तो होना ही चाहिये।
- कमल के परिवार में सभी लोग बहुत ही शान्त है तथा कहते हैं कि एक बेटा होना तो जरूरी है। कमला को ये सब बाते सुनकर अच्छा नही लगता और वह कहती की उसे भूख नही लगती। तथा कमल का मन भी घर में नही लगता और वह पढ़ाई पूरी करने के लिए शहर चला जाता है।
- धीरे–धीरे कमला बहुत कमजोर हो जाती है तथा जब इसके बारे में कमल को पता चलता है तो वह पढ़ाई छोड़कर घर वापस आ जाता है।
- कमला का इलाज कराने के लिए कमल के पास पैसे नही होते और वह अपने दोस्तो या घर वालों से भी नही कह पाता। कमल मजदूरी करके किसी तरह से कमला का ईलाज कराने के लिए शहर ले जाता है जहॉ डाक्टर कहते हैं कि कमला के शरीर में खून की बहुत कमी है तथा इसका ईलाज लम्बा चलेगा।

5. सहजकर्ता फिर थोड़ी देर मौन बनाने का प्रयास करे, फिर मौन को तोड़कर कमल और कमला को अपने अनुभवों को सुनाने को कहें। कमल और कमला इस प्रकार अपने अनुभवों साझा कर सकते हैं –

कमला से पूछें– कैसा लगा? और क्यों?	**कमल से पूछें– कैसा लगा और क्यों?**

कमला के जीवन में पड़ने वाला असर	**कमल के जीवन में पड़ने वाला असर**
• बिना मर्जी के शादी • शिक्षा/ज्ञान/जानकारी से वंचित रही। • शरीर कमजोर व स्वास्थ्य खराब रहा। • हीन भावना से ग्रसित रही। • जीवन में बहुत कष्ट आ रहा था। • अपने पॉव खड़ा होने के मौके नहीं मिल पाये। • पूरे जीवन में मेरे साथ भेदभाव किया जा रहा था। • अपनी कोई पहचान नहीं बन पाई। • खुद निर्णय नहीं ले सकती थी।	• दोस्तो और समाज का दबाव • ज्ञान/जानकारी के मौके से वंचित • शिक्षा बीच में छोड़नी पड़ी • पैसा कमाने का दबाव • अपने पॉव खड़ा होने के मौके नहीं मिल पाये। • मान सम्मान/इज्जत नही मिला। • खुद निर्णय लेने में सक्षम नही था।

6. **फिर सहजकर्ता अन्य प्रतिभागियों से सवाल करें कि –**
   - क्या इस तरह की स्थितियां हमें और कहीं देखने को मिलती है? यदि हॉ तो कहॉ?
   - समाज में कौन कौन सी मान्यताएं दबाव/काम करती हैं?
   - इस तरह की स्थितियों का महिलाओं की जिन्दगी पर क्या असर पड़ता है?
   - इस तरह की स्थितियों का असर लड़को की जिन्दगी पर क्या असर पड़ता है?
   - क्या इन स्थितियों में बदलाव लाने की जरूरत है? यदि हॉ तो,
   - क्या प्रयास किया जा सकता है?
   - आप और आपका समूह क्या प्रयास करेगा?

गतिविधि उपरान्त प्रकाशित मुद्दे एवं निष्कर्ष :
हमारे समाज में लड़को और लड़कियों की शादी कम उम्र में कर दी जाती है जिसका बुरा असर उनके सम्पूर्ण जीवन में पड़ता है। अतः हमें कम उम्र में शादी से जुड़े मापदण्डों को बदलने हेतु सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है।

नोटः सत्र समापन के पूर्व समूह सदस्यों की प्रतिक्रियाएं जरूर लें तथा उनके द्वारा व्यक्त किये जाने वाले विचारों को नोट कर लें तथा जरूरत के आधार पर ही स्पष्टीकरण दें।

इसके बाद उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए सत्र का समापन करें।